DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2020-21
HALF-YEARLY EXAMINATION

CLASS : IX **FULL MARKS : 40**
SUBJECT : HINDI **TIME: 1.5 HOURS**

Instructions

- ***Answers to this paper must be written on the paper separately.***
- ***You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper.***
- ***The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answer.***
- ***This paper comprises two sections; Section A and Section B.***
- ***The intended marks for questions or part of questions are given in brackets [ ].***
- ***This paper consists of three printed pages.***

SECTION-A

(Attempt all questions)

Question 1

Write a composition in Hindi in approximately 200 words on any ONE of the topics given below: [10]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए-

i) अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए जिसने आपको प्रभावित किया हो, बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार बदल दिया है ?आपके अवगुणों को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की ?

ii) मेरा प्रिय त्योहार।

iii) अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखें।

Question 2

Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible:- [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भ अपने शब्दों में हो:-

स्वामी विवेकानंद सत्य की खोज में निकलकर नगर-नगर घूम रहे थे, घूमते घूमते वे काशी जा पहुँचे | वे एक सुनसान और निर्जन जगह पर पहुँच गए | यहाँ एक ओर बड़ा सरोवर था |उसके दूसरी ओर बड़ी – सी दीवार थी | दीवार के साथ ही एक पेड़ था जिस पर बहुत से बन्दर रहते थे | बन्दर उनके पास आकर दांत किटकिटाने लगे और फिर भाग गए | विवेकानंद डर गए | उन्हें दूर तक बन्दर के अलावा कोई व्यक्ति नज़र नहीं आ रहा था | सभी बन्दर उनकी तरफ देख रहे थे |वे बहुत घबरा गए थे | उनका गला सूखने लगा | वे जल्दी - जल्दी कदम बढ़ाने लगे | धीरे – धीरे बन्दर उनके ऊपर चढ़ने लगे | इससे डरकर विवेकानंद भागने लगे, उनके पीछे बन्दर भी भागने लगे | अचानक उनको एक आवाज़ सुनाई दी, "भागो मत, मुकाबला करो | ये शब्द सुनकर वे चुपचाप खड़े हो गए | उन्होंने देखा कि सामने सरोवर से एक वृद्ध नहाकर आ रहा थे | उन्होंने ही ये बातें उनसे कही थी | उनको देखकर विवेकानंद का हौसला बढ़ा | वे जैसे ही बन्दर की तरफ झपटे वैसे ही बन्दर पीछे हट गए | उन्हें पास में ही एक लकड़ी दिखी वे उसे उठाकर बन्दर की तरफ झपटे | वे सभी डरकर पेड़ों पर चढ़ गए | उस बूढ़े आदमी ने विवेकानंद से कहा,- "डरकर भागने की जगह तुम्हें मुकाबला करना चाहिए |" विवेकानंद ने कहा –"मेरे पास कुछ भी नहीं था | आपके आने से मुझमें साहस आ गया था |" इस पर उसने कहा ,-"मैंने कुछ नहीं किया, जो किया वो तुमने किया | तुमने अपना मनोबल इकठ्ठा करके जीत हासिल की | हमेशा याद रखो भागने से मुक्ति नहीं मिलती है | अपने मनोबल से मुकाबला करने से ही मुक्ति मिलती है |"

क) विवेकानंद किसकी खोज में, कहाँ घूमते हुए काशी पहुँचे ? [2]

ख) बन्दर कहाँ बैठे हुए थे ? वह स्थान कैसा था ? [2]

ग) विवेकानंद के डरने का क्या कारण था ? [2]

घ) वृद्ध ने उनसे क्या कहा ? उसका उनपर क्या प्रभाव पड़ा ? [2]

ङ) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

SECTION-B

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

Question 3

"मैं लिखना नहीं जानता, नहीं तो इस पर उनका नाम लिख देता |"

काकी –(सियारामशरण गुप्त)

क) यहाँ 'मैं' शब्द किसके लिए आया है ? वह किस पर नाम लिखना चाहता था ? [2]

ख) जिसका नाम लिखना चाहता था, वह उसकी कौन थी? उसका असली नाम क्या था ? [2]

ग) वह किसे, कहाँ से और क्यों बुलाना चाहता था ? [3]

घ) कहानी से मिली सीख को अपने शब्दों में लिखो | [3]

Question 4.

"क्या विचार है सेठ जी, यह यज्ञ बेचना है कि नहीं ?" – सेठानी ने पूछा |

महायज्ञ का पुरस्कार – (यशपाल)

क) सेठानी ने किससे पूछा ? उस व्यक्ति के स्वभाव की दो विशेषताएँ लिखें | [2]

ख) यहाँ किस यज्ञ की बात की जा रही है ? [2]

ग) सेठानी उस यज्ञ को 'महायज्ञ' का नाम क्यों दे रही है ? क्या वह वास्तव में महायज्ञ था ? [3]

घ) अंत में किसे और किस प्रकार महायज्ञ का पुरस्कार का पुरस्कार मिलता है ? [3]

Question 5

प्रभु के दिए हुए सुख इतने,
है विकीर्ण धरती पर,
भोग सके जो उन्हें जगत में,
कहाँ अभी इतने नर ?
सब हो सकते हैं तुष्ट, एक सा
सब सुख प् सकते हैं
चाहें तो पल में धरती को
स्वर्ग बना सकते हैं |

स्वर्ग बना सकते हैं – (रामधारी सिंह 'दिनकर')

क) प्रस्तुत पंक्ति कौन, किससे कह रहे हैं ? [2]

ख) शब्दों का अर्थ लिखें – विकीर्ण, जगत, तुष्ट, पल | [2]

ग) प्रभु ने कौन – कौन से सुख हमारे लिए प्रदान किए हैं ? [3]

घ) हम इस धरती को स्वर्ग कैसे बना सकते हैं ? लिखें | [3]